

व्यास्त्रावम्भाभ्यीद्रथय मीगलमयभ्यः गिरीन्वः के उक्प रुद्ध भार ध्रम् न्य यस्त्राण ग् विश्वभद्र उक्ति उद्गिरीय प्रवृप्य दिवा इ डिएमः ० डियफन्पप्रिपडिंह इंभक्षिप भगग्वनिभगहभ वन्द्रहेव द्वभुदः भगभी भक्त इक्रियमिलभाउनि । विवीमविक्रिक गिरीगर्नमिद्यद्विद्वातः मित्रमञ्ज्वितिष्ठ दिः क्थः निवः मनी ३ नग्रमहत्त्र यथ्यम रिज्ञ अल्डिडि इस अस्म अस्म अर्डि भेडम अ भभागभः सः भिऽद्धिम किग्रियभिद्धः स न्य हर्ने कि काए एया य विज्ञहरू येव अल भड़क्र यहं विद्वेष्ठ वेष्ठ वेष्ठ विष्ठ दुर्भ व्युद्ध

मु	ä	म	9	ल्म	प्रा	म	7
नर	65	नर	एय'	135	हर्	32	नुश्द
8	R	34	Ü	38	T	3	च्युह
09	00	0-	9	5	2	2	उक्षः
7		3	0		en en		भंदा :

ाबद्रगूर्वभुडी न ध्रम् दिडिवयिभग्राहिलभ イはれき立 かえ名をひれ、おまこれ者にひ वन् । यस्त्रभीक् इविषक्यम्भव इन्डिल्प लक्षां उत्तर न हाइने विद्यास दिक दिवाण शैर ले: भारभभा दिग्रं भारत ग्रं सदम्पद्ध विर भावन्यवाद्यात्रभावात्रवात्रक्षेत्रनः अद्यम पुरग्रीदेशीस्त्रमुविधाएम् इरम्पन अरादिकारिषयिकचित्रभणविमापामिक् त्वर्द्ध राष्ट्रकरक्ष्यभूभावम्बद्धावव ह्याभन्डवस्थ ए एक पर समान्द्रभन्त B 9 00 00 उभागवंड ध्मीपध्वरमाणुख्य समिव

भनेदिरगभेष गिर्देष्ठिहय्यक्ष मुडिवयः दशके:कीडियज्ञस्याद्यम्भ तह्मिमाध्वयः ० मदः पष्टभारमञ्जूष विश्वरभः रभेश उदानिदं प्रहेभ चेत्र दश्चेत बुभादिम ०० मुउए एडिडीयाया प्रमुधिर हेउषा उड्डा इस्डीयाया मकर संग्रिटिमी ०९ अरिविडेर्चिट्रम्भअस्यभगत्म नवस्र डिक्यसंत्रधन्त्राहिल् ०० कटमहत्र स्वयविष्टेष्ट्रहरायभव विष्ठ्रप्रियम् उद्देशमान्त्रक वर विद्वीसीम्बर्ध इडिअन्यस्ट केइदिसम्बुराएं भगति इतिरम्द्रः ल भिराष्ट्रिकियम् ज्ञानिकालियः एयः करूपमः भिद्मेड एम् अगम्बः ०० पदा दिउपुर डिवि वटे जिस त्रक्रिभिष्ठगङ्गेण क्षण्यक्रक इद्गिद्या क्रिक्रियन्ध्रुडिविस्टन्य का स्टाः ॥

	100		Party.	ang re	pin	9/1999	2	(A)					1
-	d	3	3	क्र	म्	E	D)	4	4	U	भ	ष	
100000	9	03	3	36	9	00	30.	20	ورم	1	2	3	and the same
distribution of	<u>9</u>	198	05	2	3	9	0.	5	3	2	7	11 6	TO SERVICE STATE
To the same	3	93	5)	न	9	3	00	7	3	4	न	न	
	मि	Ka	3	39	34	AR	36	K A	Ba	म्	PX	4/0	- N. W.
100	*	A	4	G	X	4	B	1	3	4	*	G	100
	37	997 F		4	1	7			1777 B	-			ł

भा हम् विनीमन सद्ग्रेश भू हित्त क्षेत्र क्

वनसारःकनारम्बर्धियाभ्रम्बर्धि र्भे मीवर्षिद्धक्षम्याय देशेर्डभार भेपद्रत्रेष्ठ ३३ उर्डस्ड्कित्क सभिद्री बहमराष्ट्रियनगएम भरमान्मार्थ एएः भ्वनभनः इन यः भूगभा १६ यस् म्बरगादिश्रभग्रह्मकगङ्ग भेशस्त्रह गिवेष्ठ'इए० र र प्रकार जा अप स्टूबर् भक्रमभूग उन्हेन्द्र पद्र तभुग्दशः वर् कारिमभन्द्रविद्यात्रश्रहण्डकनाञ्चभवे १८ अद्रहेटगडेक्टिशिश्रापभाष्ट्र गर्का वियगः भूग्रेथभग्रः विरम्मकः ११ अद्रुधन दाप्षटम् वर्म उद्दूषमी एमेड्न हम इदिबृह्दमा ग्राभं द्रिक्ट्र भेडक्ट्र मं ग्रा इहस्स्री अस्मिड्रिड्डिइहिन १६ ११इप हरू ब्रिटिय्वरंभ मन्स् उर्द्भभीरहित भचात्रभिद्वेकविग्रिथचे- १७ प्रह्रेणि

	40		affect .	contain to	Popular Par				
-	3	ਨ	3	व	A	97	9	を表して	
	Contractor Contractor	man galley	1 1 1 1 1	10 TO	1	0 -000			
通 .	5	म्	मु	1	-1	1.	4	No. I.	
0	100 mg/s		15	1	24	42	5		
	3	1	36	3	3	70	9		
	20	V	8	2	न्त्र	7	H	and the same of	
-14-15	33	100	9/1	11/2		13.5	(A) (B)	THE STATE OF	
1	3	3	ने	3	1 4	7	•,	-	
Manie			300		G	7	主方戶	(D)C)	
4	3	3	4 4		15	1	A WALL	i to see	
6	1年 47	1	EVIE		West Company				1

इति । उद्दर्शिरहक कियभित्र व निर्देश हैं । उद्दर्शित के निर्देश हैं । उद्दर्शित के निर्देश हैं । उद्दर्शित हैं । उद्दर्शि

प्रभूग्रे	रेभुगया ह	ति उह	।पन्द्रं	38	4.3.9.4.
भरापभ	मतप	पट्या	204	गुभुरव	2311
भूभ	N.	भ	スヨド	50 A 1 A 1 A 1 A 1 A 1 A 1 A 1 A 1 A 1 A	æ
भाउवच	हिराउ	हर्'वे	एडभ	पेडरि	र निर्द
विक्य	ते इर्ग	डेभ भ	ज्ञिन	४दग	च भग्रवि
					<u>पिष</u>
र्वपष्ठ ।	The same of the sa	2.2	March Street, Street, St. Co.	All the second s	
THE PARTY OF THE P	हु: भव	CONTROL OF STREET		The Charles of the Control of the Co	The second second
र्श भारत	इडिच्रिइ	121	(4 to)	13 8 .	ियान.
जिस् इक्षिक	30: 3	90	E 37	00 4	ग्डिडिय ग्डिप्टी :
वेत्रफर					
	लवज				
दिस्त	भेउम्रद	हिष्र	डिग र्ड	क्रिविष्	इप्रक
गृहितिः	भेउडिज	ब्रेड्स	टिम:	समृह	ब्रिगर



T	नु	ā	न	9	A	3	P	ब्गः:	
+	5	310	E	3	2103	± (2)	019	१५९४ :	
								到月本:	
CO IN	The second second	And the second		100	1000	1288 1200 T	Section and the second	424	
4 Sept.	0.00	The same of the same of	A STATE OF THE PARTY OF THE PAR	725.55		A CONTRACTOR OF THE PARTY OF TH	And the second	कनवन	A CONTRACTOR
								न्रस्यभ	
								यभभा	
								उ विवाद	
1	36	78	314	14.1	१४५	36	1/3	० ४३३	4
	DI	गुर	ातिः	A C	36	क्रिय	क	विद्या	12
970	रुय	र्य	भिव	शिर	3.4)	E.	च्य	गभूबभा	L.

R

क्ट्रडयनीभयगंनिद्देधभिद्विंडनिंड धाल्य स्क्र अयग दिनमं दिन सुरुविष्ठि प्रचेशम्भून मने अवान सुभी था वह है है के वह माउहां था च नक्षरुच्धरायाध्नरः अवेहणभ प्रश स्४ डिहिः ६३ पछ इ दिन्द्रधाभाग भुगभ हिष्य एः नग विष्युग ध्रमभद्ग से युग्मगभाद् विकण्डिय यम्बर्भित्यं मुहक्रं पद् उष्यभ्रविष्टिभ्रम् । न्युरक्षीर्यय परितर्भाव स्थापन निम भीवग्रलक्नरेविठर्डिवर्डन्थ म 7 3 3 ्र ४<u>८</u> ग्रहे भ्रतिभाष ६ यद्ग्रेमल्यु ब्राम्य देव के अववना अपित वा ब्राम्य ज्वप्रविन्भद्र एक निर्मा के निर्मा ग्रायन पूर्पपूष्यक्रपक्रवदश्यानि इद्भवाडिपा

विष्ठभक्षरः भरभाषाभा मा जीवाभिक्रिवि वर्भ र १ भ ५ च द वरी है क र भ इभ विभिन्न गूदिरपडिभर च कियकिंगभर्य या इस्थ्रभर व्डम्बल्यचे ज्यो के इल इ.इडभ्रम ५६ भिष्टभिउयश्नाविभभड्य के मम्बल भिंदन अभिवृत्व के कि इस्पर डिका उचादिहेविश्वभूषिपक भू १५ इर इर इर इर इध्या रा भिंदग्राभिंदलविवद्रम् वर्गे द्वा प्रस्था वर्ग हमी खीय ५५० में द धना अस्त पन पनिष्मिध में उत्पचना क कीपविभग्नमण्डिएग किल्लीगर्दः वर् गर्यक्रमणभग्राणणारु भिन्न बल्जीयः मह न एक गरहन्त्र सहाह हिरामान प्रमान गुम्बिडिडिंड उपविन प्रकार प्रतिनिक इः मुह्युरविभाविभाग्वर ५ भारत्रापः पर्धचयएनेः पते देशन भिष्यि दिन छ ।।।

ज्यातिक भिद्विचार् वेः थने इ वं उच्चिति पूर् वस्यमा पर कारदे अतिक दिया भाषा करि हो थ वलियः भेक्भुष्ट्रान्तेः कानदिरभ्राष्ट्रिनप्रभाग 48 बार्य जिक्नदामु इम्विस्य जिमाभित ष्ट्रमक्ष जर रिझ्नारिकिइंक ल्युनैविन्द्रः परिभ्रम् पिट्यः ५३ भर्गष्टि विभिन्न रीविश्वराह्य होती ती वस्ति हो विश्वरी धनवरपश्चः भद्धिमेदः हर्जिभिड्डभ व्रवस्थः इङ्गियाण्यः भिडमियी राहनार्गय द्रद्रवर्ष्ट्रक्ष्यम्भाषेत्र पर ॥ ॥ एडिटे वष्ट्र वस्त्र वस्त्र मित्र भूद्र विद्याप्त सहस्रक्रालयुव्यम् ॥०॥ नम्हर्क विक्रिण्डममहस्र हिडि हिंगए दिनः पिडि हगादभाविद्धाद्वेयभागः महाग्रीपन्थि उउद्विर डिकीर भिष्य विविधि विदिय्प दय पल्याणिदिश्वप्रधाहिणः ० उद्गार्या

(देएह क्राम्म्य्वंभित्र) उद्भितंतीलगदम्ब गभादिभिद्व ९ भटिटिमुडेभी भिषद्मिष वर्नवार इसिन्सिकिंग्दिन टिक्गभगिक पराध्ययम्भण्डक्रेयक्रिकाण्या उभिता उन्निम्श्विधम्धितिहि म विमाप ज्यहर्भ्य भिर्म्भ लग्ने भाउने उड विकट् भि वंरधंडनारिभेड्य प दम्बिप्रधाहिलेडः विश्नभग्रथम उसिर्यगाउद्यन्त्रथाम त्कलारिक्स र सगाउगिडाभेडह भड़ इगुभुषा उर्गीरभ्रासी स्भिडकर विद्यानभ भनस्य दिवस विश्वास्त्र प्रमान्य स्था उ

अनादिभिश्चेत्रभविभाषेठच डस् ४भाषे स्टिब्रि यं इवर्ग डिर्ड्रावेभेड्का निला दिरिष्ट्रे श्रु बिन निर्मु हर्षे भेरा छ चतुन्त र स्नात हिर्द्रात रिश्वर्या विका निष्ये हैं। वेश विद्या विद्या विद्या विद्या वि रभवेष्टिर्यंनगर हिं उ महभवत्वस्य णर्वितित्रम्तियमुक् रजेहिम ब्रुवादि डिय्ग सहगान प्रद्वा ० वसु क्नेन्द्रग्रक्ष्यम् क्ष्म्याम् क्ष्म्यम् व्ह्न गडाराभुभस्मपाम् प्रभ्रष्टम्यः द्रात्रास् टिउभुगन्वङ्ग्पद्व दिनियुन्भ मुक्त मरभगम यः नहसमद्भाषकप्रदुरः ०० विप्रष्ट्रयाउव इदग्रश्चेष्टिरंग्या निरुपितिञ्चरगर वस्कर्रगाइकः ०९ ग्लास्नभन्यवस्व हल्लियेनरपारपार्यवस्थात्रभ्रह्मन्ष्रस्थ मित्रप्रविष्भवैः गिर्ह्णाम् भारत्यम् भारति बिर् उवकी कृति है इसु पर भवेष दिगरं म

भुः इयिविद्ययः ०३ लय ब्रह्म प्रभुष्टिभंष उग्डापन्ने निल्हिएयगा निजान्त्री एस्ज सम्बिप्त वर्षे प्रयमिति विस्निन्न भेडा ०६ हेथएंभन्न अध्य का अन्त इस्त्य वर्षे ल्वितियरिव्ययप्रधावम् सङ्गिष्ठह न्य उग्राह्म द्विष्ट स्पाह अणेक प्रश्वित व महश्रमभडाष्ट्रिय वर्ग स्वह विश्वनिश्वि इयह इयिषि प्रश्नुप विनीस उन्विद्यः र्येषु हैं ०० अच इीम हम गंभ द्यं भहें क इ.डिकलमुहे: धष्ट्यभ्रमुहेचिन भएडर्म हि इयःभडिंच रिज्ञहेंभ्रथ्र विन्यविपालिडिंड प्रचित्रिक्षेत्रयम् भिड्वयाष्ट्रविडेः पायेः प्र हेर्यात ग किर्ड्निश्चभर्झलमध्ड अस्तिशदन्यसभा सञ्चलन्डेइवद्धिक हेर्स्स्मित्रिय्ग्रेष्ठविद्यां ०५ स्टूब्य्यट नित्रक्षामानि भक्ता व्यक्ति जिल्लीन

हावित्रसम्भानिभिद्या उस्त्रभदिउणा वस्द्रियुद्धभुद्दर्गात्रियुद्धस्य नमस्त्रभाष्ट्रभ ०७ भन् गणपाउन्भह्त्र न्याहित प्रवेचीरभीर अभू प्रतालया हिनेय गर्हे गरिया विस्तान विस्तान के स्तान के इंग्ड्यिट ने कर दिक दि इंग्रेस ने ते जा पर यही थिइ हिन्र विरुद्ध पुकर करिय छ भन्दरः अववस्थान्य प्रान्धारा एक भिष्य कि विज्ञान एक किमें अपनि समादिए विद्यान किये ने ध उज्रिक्शिम्बिम्बिम्बिक्सिक्सिक्स् धन्त्रः मराभगर ब्रातेश्यन प्रदेशकि रुख्न ३० महरू व्ययप्रधण्य एन हरी मह वही सहभारत्रहर्भहोगी हिंद से इस्ट्रेस इंहर्वा भएक मिरापइसेक्यर लड़ा 2 वर्ष अवभारित है विद्युत्त है हगर्भ ३३ विनद्वात्रधनह हुमी स्भार प्रवितः

सम्बन्धम् महन्द्रभीन्भन्यन् ३३ ते इ
नि दि इद वि प्रथा है नि श्र
र ने द न उध म म भर
यु भ हि हे सह प्रकृति प्रकृति सह
भिम्प्रविग्दम्हर्ग्डनिविमिउभ भ्यज्ञानि
नर्मा विश्वापाउँ मन्द्र अस् भिर्के स्वर्भ
राभ्यभ्याद्याद्रभष्टक्षाहः भाषेद्रान्वल्य
जभागार्ध्यक्रणविक सुरभव्यत्म
यश्रापननं रहिम भी सम्बेधी रहे दिश्क महि
भुगरद्रष्ट्रहरूगण्यम् । अप्रभेड्रवि
इड्इएक्टेम्ब्रुम्ब्रुम्ब्रुम्बर्गिक्य
नेंद्रें इंग्लिपश्चिमें इंस्व कर्श्वभिनंभव
कर् १० अष्टादिश्य इडिवेद गुरुहक लक्ष्य
व्यान्त्र यद्भ अध्याद्विभिद्र उद्देश्याः
मुठः नारग्रह्मान्डभद्भिवित्वहिक्रिक
क्रियडसंपंष्ठवरणं उपवेष्ट्रयंक्र विह्रा ११

धनझमभणाग्यवश्विष्ठेषिनाक्ष्मितं धार्यद्वीनवलेक्विणलगाद्वमुक्विणभंभ ल लग्नद्वग्राद्वाप्यवदणमभुनभिद्दण ट कक्वलेनएएउनिक्यकारिजाभुधमुंड्छा १५ महस्मादिरानुहर्विष्ठेष्ठित्राभुधमुंड्छा भविनविष्णिप्रनिद्धानुहर्विष्ठेष्ठित्रेष्ठ्वास्त्रा भविनविष्णिप्रनिद्धानुम्युक्तिभनिहिः प्रजान्न भक्किप्रसम्भाभन्तम्युक्तिभनिहः प्रजान्न भक्किप्रसम्भाभन्तम्युक्तिभनिहः प्रजान्न

त्रवार्थियः प्रमुख्यः प्रवार्थियः प्रमुख्यः प्रमुख्यः प्रमुख्यः प्रमुख्यः

मृद्धभाभवणं है भक्ट दिन् विरक्षभग है सम्बूणकी विर भिक्ष विरूप्तर प्रचारित है है नग्रवन विद्यार विश्व परित्र ग्रीमिनगिरि ए त प्रक्रिय इस्त ३० डी आण्ण परक्र विद्य विश्व

मूरीयुश्चरीभेभेडरलल उक्ट व्याप्त भग्न रिक्रादिइदिवसिंडिम् एडिसिटिनगिटिंड भिरहित्य ३० हर्यसम् रिभ भइतिए र्यस्थे इड्डियादिरंक न्यर्नेभेड द्वीप रण्य विर डिल इमड दश्र मध्य प्रणाभे दाई इतिवाभरा ३९ भिष्वार इत्यार विविव्यव्यक्षण्डानिय दिउँग इनियु वर्ष इिश्वितः ब्रह्म निगरित स्वर्ष्ट् भी में यू प्राह ध्राण्ड्य हिः ३३ कि प्रवासम्भ भारतम्बद्ध अवस्था सम्बद्धिक हैं भे लिक विरुभाषगड डन्नग्रामिन स्ट्रिटिन सुभ भरामुहर्दिनिभिडे अर सद्राइडिहरूपुर्द विस्त्रभद्भवः यस्रिष्ट्यमिषिनिन्धादेश इतिः।पन अ भेकतिषिचारयुरन्दरभुम चग्रलइंडविविदियभः भाएयद्भिम्मि युग्नधरण्ठनमिटिविड्डनिय ३)

EN

नवर्ष्णभाकिप्रधन्तम् अन्ति विनान रविष्यली दश्रिय कि इभिर्ने अ यर इयविमाण्यभाद्धिमिहिन्ह ह्यीरुइदि नेनिक भएनेभड़ने नुहमा ७५ अलाइहाली पिरुभगेम्भू भएउर भएउर सुभ उर्भ दिवीरिकार्यः ३७ हर्द्रिदिष्वभण् विनभद्धिक्रिति । इतिक्वीर्य र अर्नम् विरिद्ध एत्र भूम भूकी ने विकास नापगेश्वकेष्ठके स् स् भ्रम्ब्रिक्ष्य ष्ट्रगिरापन्यग विराध्यलववनम्पित विद्यप्रमुड ६० भगद्भि ३६ ग्रुव प्रमुड उत्दा उर्रह्युर्ग्मध्याभूप्रभिष्ट्ड = १ इज्ञाच्चित्रमित्र १ ज्ञार क्रा ३६ भाभभेज रविविध्यपिक्षित्र इः इस् घरउन्तवमि। स्नवडराय्यक्रिकारिकक्षीयकपः भरीका ६३ वयम्बद्धिपण्यन्यग्नुहरुषु गर्दिषर्

मयम् भचा भः प्रभिद्वि हर भुगीर् प्रच मिवभद्रस्टिल् इभेडान्। उठवड्राः या भू विवाद गाउता है विवास भू दि पते है वि पक्षम्ब म अनाविटप्नविधहरेनाएः क्षण्डारमण्डितिष्य हिन्गः भभव्यवेषुष्य भादि अन्हिभिच्चिपिह्द लिइम्बिरिडः ३० किंद्रिक्सभू भया ध्रुवा किरेववभू मिष्य प्राचित्रदिक्षर दिन्द्रीमी में हवे चिम्निस्नस्थः मा विस्विसनेद्वरीम्ब यह प्रतिय स्ट्रभ्य भुगविष्ट प्रध्यद यभित्रभंहर कुराविष्ठंगद्गिप्रादिक स अदहार्भहेरतः अलगडेः पद्धाभेः भंयुडः मी हेव्यभित्रः मन्ध्रदन्भष्टवृत्तेः भर्कीः भूग ए से बंब ए हुः से ने हे ए में दे हैं है । यह । यह । दःकरण्माव्यादिरंकष्ट्रिसंभापन म्थ हस्डिली उदिल इ इन्यक्त र इनिमद्भ ल क

गणिदिविक्षित्व देशक्षित्विक्ष इतिनम क्ट्रियेग्रहियाल्य हमरद्या र न न गहिष्ट इड्डिंग्स्न इन्डिंग्स्न वर्ष ल्लिडियुक्टादिन्हन विभाभयने यास्ट्राइरड म्परपरिष्यत्वस् अस्यक्र स्रेट्रेयः नव पुडिन्डराद्विपक्षिड ४० एसप्रिरायर डिभाण इत्र यक् इ इभ दे एभे इह गादि दि व विव माण इदिहारिय मेर्सिक्ट किरिनेम्डिक ग्भार्थि प्रमेडवार्सि कार्र उतिकार्भ पिलंभ प्रयम्भरवर्ग १९ मुड्ज अन्भिटिक गड्यूर्य स्युर्भनाटिहवेदिनगरः विभव्नाकिष मिनिरंलगढदभ्रिक्षणिप्भणक्षे छ म्बन्ध्यप्यभाष्ट्रभ्तभूमः । नेभप्रन इः एडेमिन्डइय्पिहल्ड्यभूष्पिरभ्यूभ्य नपष्ट्रा ४ इडिपिडनम्प्येडिअन्परिक्री यणन्नी र जीय वने व इ ज स्व ह व म इ भ च इ

भड़ाददिहितिमभी पप अज्ञ कि भेरू प्रपट्स भूजिइभेन्ठः क डिक्वेडिए स अनंद्रवभुड उपभूभन्नवमायम्ब्रह्महम्बद्धारम् गण्यम् म्रहम्नप्रपर्पात्रभद्दाण्डगम्भद्रविद् डिपाइवेट डिभिनीयानी जुड़ यमक वर्देश अ मड्सिस्यम्भद्रद्यीग्रहिस्भिद्राह लित्रियरहम्भन्नहम् निडः भा दिहस्पूष्ठ चित्रवद्भयः माध्यद् विमायुक्तदः व ए जिन्द् वियम विवर्भये व्याप्त मंत्री दि । ए हराकः ४५ मझदिइपंद्रागध्यनीक्रिक न्त्रभागरद्य एषद्वयः वस्त्रम् एक उपितिक विद्रमंग ५७ दिग्ले विविद् मजान्त्रभिद्यप्रमालद्यभष्ठकः दृष्टिवरि घरण्ठभग्रनार्थ्डभष्ठयग्रनारभग्नाः ऽ॰ मुब्द्रराभ्रतम्यपूरिष्ट्रं एतम्याभ भरप्रियमध्यन्भित्रम् इ.उ.च. रहभ्र

	vedtale		10 48	16.072	1		1,000 rg	1-24	23	>
The second	षु	5	5	3	×	3	4	(3	3	
	2.0	990	2/3	7.4	द्वा <u>त</u>	13	ग्रद	म्र	四季	
The Charle		3	2	4	3	0	2	3	Y	
	भ	7	3		8					
	गर्	MB	म्य	375	437	र्द	53m	सनि	375	7
A STATE OF THE STA	H	3	3	7	0	0	=	F	3	
870	E		34	9	A STATE OF THE PARTY OF THE PAR	B	208	38	36	3
	198	गुल	X B	18	30	45	93	X D	217	45
	NAME AND ADDRESS OF THE OWNER, WHEN	3	The second name of the second	- E	3	*	2.0	8	9	38
	ि	זמן	Section 201		भिड	2		SELECTION OF THE PARTY	O'COMPANY OF THE PARK	17
					उपभ					
	1000 - 1000	THE REAL PROPERTY.	and the same of the	The second second	50	The second second second			A STATE OF THE PARTY OF	Section Commencer
					मिर्व					
					भेग्र					
	275	FFI	W. C.		31-10	933		Sold S	TT TO	
	0/4	43)	-0	ट्य	7	779	d o	: C	H A	0
1	213	75	310	3.4	जिन्	133	de L	ान	ायग	3

धार्यस्थान्य विस्त्र भन्न अविक्रिकार्यक्ष मार्थितावर्थित क्रभेड्भर किनी भरण र भाष य व्रभक्त चित्रहर्भित इपन्न विष्युष्टित विष्युष्ट प्तान्त्रभीय हमेटिन्ध्रभंजीयुवभीनित्र भएडिएन।पेविन्ध्यक्ष प्रमुत्न अभूतिम नुदाक्षिपमामक दो इत्र द्वारापेन एर उप लक्ष्मिर्टर्यभकनानिद्रलन्वभिध्यप्ट भकरकक्टयविन्त ३ धरम् इन्नेर रहेणाहे अंडह स्ट्राह भ्रम्हेंड

हिकः प्रश्निम् इम्ब इम्बर्गः निमीवरिचाग नारमद्रभत्रसपार्वे विभववद्यकि । यन निमीवयदिभद्गभः स् दिन्द्वये ४ सभवदिय भग प्रस्थामुहिर्यभूमिश्चारित्प्रस्थाउप्रहे भझ दिन नी प्रभिष्ठ कि विश्व पर्नि दिन भू ए ए इ.स भर कहारमिष्टम्यन्सभईः पश्चिउदानीपरप चर्भा । यथयनिविद्यपटिकाम्भराभ्यानाल यः धरमी हनने भरेपान हिर्म एकः इ उवायनं मः तिरभाद इस्र भ्यूक्ग हविह इटि नाहेः भवादिरः यज्ञानभद्गभः भूष्टरन् पृष्टव ह्रपष्टरपु ७ भगएइ हिप् वभू विशिभ्भ दिप्रसभ्पहरद्भुतं द्विहिंदेनिटिडिहल्भ रंभारम्पार्तित्मस्यप्रभी ०० लाभरह भद्रभूलभुद्धरः मग्रह्मगण्डरद्भ । प्रा भभक्षःभभवभदाज्यभभज्भभविवृद्धन्ति ०० मकिटिक्जमङ्ग्रचक्षरिविषकः दिम्नाष्

गरः सद्वर्ष्ट्रसूटमभ्यकः ०३ स्ट्रिडिन्न गगड्यद्रावि: भुन्निवित्रभगरिप्रक किंभुधार्वः मजिन्भकन्ते नेषुः भभः रेषुष दर्वस्ले ०३ भिद्रुप्तादाभाग्रि ५ डिथंड एक: इस्गिम् १ ७ यु व व व व व द द द ावः भद्रम वश्चडभूपीऽद्रिक्षण पुरुष कलभित्रे विद्वस्ति हिंगुन्द्रभवन स्थाप्ति क गर ०६ विद्विद द्वा भडेभरभविज्ञ उच्च थया समित्र लाम् विव ही भन् पामन विव प्रानिक न मग्र रिपिविद्रित्र ग्रम्य एडव म्इएवल प्रगरिक्र इसम्बिए दीरस्ट्रियन्त्रे ०५ यवम्हभटितिमाम् रभष्कत्र गुरु मुद्द रुडि रेवउ ५ ३ भर्वि ५ गृ: ५ च्चे लिय् ४ इ: क इ वे विक्यास्मा विषय प्रमान् विकास मान्या विकास म करकरियर वा विसक्त सम्बन्ध परितिकलप्रभाष्ट्रविवस्मन्द्रवादः गम

रम्बड्ड इपलीवर्गा भेड्र विस्मप्रयुक्त भ्या विद्या के। देव राष्ट्र उभा रति चत्र भग सुक्य उदिह हर्रशहस्रगावस्य उद्गे भाष्डिहपी हनभद्ग हम् हाई हड अनारभ हिठ्यामः ०९ रपक्षभवन् । इम्भूष्राः मध्

विवद्गिभदीवृणावः वीद्वराखनाः वि विविविद्यानिक करान जुरुद्धाः ०७ भव्य भद्रविविदी ३५ के भभितिभभः द्वायभभक्ष डिभड्रभाउउ विष्ठगर्भ उव हिभभा भूषभा उसे हैं ।।।। उरिभुद्धियम्भूभ इिप्करण्य देश १ ॥ ॥ अदिरभर् ापयुग्रित्र मिक्द्यहभन्तेऽभव्य रभक्ष यत्राध्याण्ड्रविश्वत्राण्यस्यभ् ॰ न हिंदू भरा हम्रोग्भ हे वेस्न हिंग भ गभाद्वयग्रिक्षिक्गनम्बर्धद्वर् नःमाद्वा । इत्रवं मिर्गुल्मिवय प्रकः अनगिडिनगित्रइप चय्रुमप्रविणगरेष र्रम्यहर्गमिक्या ३ र भाष्ट्रहिद्ध डिग्द्रभादिकः भवस्य न्वत्मकः विशेष विटिविपरीऽवणस्टिकिन्न विराभिउद्याः ध मलभगम् विद्वत्मद्भार्याति विद्वानित्रः

	दिभ	दिविद्य	गुष्ध	जिनमच	हमधिड	कष्टपितिः	
7/2	0.	3 00	0.	3 00	0 1	77	
						9	
व	9	00 3	9	3 2	30	. 00	
7	99	7 00	103	3 E	4131	9 00 03	
2	09 0.	33	37	000	9 4	00 2 3	7
	4.3	डेविच	ग्देश	नेहरे पर	2:4/2:	म्हिष	
				E962		रामः भाषा स्वारत	. /
	म	रिष्	5765	निरीह्म	इ: ५३	2 rich	
	3: V	रपयुग्	नप्प	भी दः मु	हर्भर	मुहंम्य'	
	विश	रइंस्य	नर्ध	नुहर्भाप	भगा	भिउभि	
	30	मन्ध्रम	इपक	3038	म्बर्ग	443/7	
	उत्त	क्राम्ड	भित्रभ	र्भित्रीत	N # 23	वेड्दंश	
04				7.00		.31,-	

प्रथमंद्र भार्लिश्वमहाभट्ट ज भार्न हभजाड नविद्रभिणा देउंपधकवर्षीना ग्रम्यवेद्वद्वभक्रः भ्रादेश्विष्ठभ्रद्भवन ण्यंतरवंडका इक्ट्राइड्ड इस्प्रज्ञा अनिद्यरभारतिः भ्यान् राण्यक्षित्व डिडःस्ट्री ०० एका एमन्दिन दिनदः हो भरहिर भावकः वत्रभेद्राडिभेद्रः ध्याग्नाभम् छताः ०९ भ्रह्मेरुडिन'विभ्रम्भितं मुक्डिए इस्विट द्वर्रिताकभूनवणभूचिष्ररितः भर् मारियप्रयानुहर वेथाईग्रियंक्यार र्दश्यीयक्षवविदःभवश्यीयस्यः ०३ विश्विग्रहें इत्राभाषीय त्रायुग द्राप माहि हमार्डिकमधेव आः शियाहिए। ०६ प्राप्त मिभाग्ल्यम् द्रभाति सिन्धिय प्रमान स्माहकर सिग्द विवस्मान इमन्यम्भर्क नामः वर नार्जपुरन रियद्भागिता

व्या

31

विमयनिकः प्रस्तिव्युडेस्नेविगिरिडं अपंग् दिइ। दिइ। ठरः कम्रान्ध्यम् कर्मारम र्गिट्कः चेडिग्रिभिङ्गः स्ट्युहराविद्य हि णः ०) भरामिश्वर्ह्ह लिउदाराभप्रशिष भ्विषाधिननीः उभयभष्टभिरभाविभाभञ् उद्दरमः उत्ररः प्राभुतं वर दुष्य गद्भव क्रमसंगर्गे उर्वे डिक्ट डिक्ट डिक्ट डिक्ट इन स्वर्गे इ वर्गदेशनदेटहिइद्रेयराभार अ रष्ट टिगि विक्रिक्ति स्पिउ हिभ हम सम्मि अड्म रम्द्रभग्न वयावस्थरप्भविवस्भाष्टरः ए निभिभ्रे ए निहा विक्भारि ०० ॥॥ एडि भड़ावित्रभाजितवाभूकरणेयाज्ञभ्र स मुवलयः उन्नभङ्गभङ्गिदियः ० म्रिड्य भ इ निप्रविश्विश्विभित्रश्वा भ र्षण्यल दिविह पिरिभम्परस्पत् ३ हर्तिस्भस्मद्बिति

भक्क ब्राह्मिक विकास के विकास में किया रगिपडियर्डनिर्द्यन्भेडा ३ सवरित्स नुभावन दुअ विता विभागे दुव प्रवारिः म स्बिडे: बुढि विचि विक्यामा अयादवा इत्व डीसग्रिक्षवयुद्याञ्चिण र हिरनेन हर्डण इल द सुखगुरु एन्स् ग प्रान्दि विवह से ०१ए वर्ष एसना वर्ष एभू प्रभव पर यह वभयउउपवेषाउन पिइः महदिन्दिन्छ परिष्ण्ड त्रुपर्दीगम्ह इरु द दिश्हर वन्ध्यस्यः प्राप्ति । हर् धर्मिपचितिम् रबुद्भेडबुद्भेडीविद्धवभ्रध्भेष्भर्ग र दिक लकेर्भन्देश्चरेश्चपारे भूया विने: भग्दर सूत्र य प्रश्मकद्विप्रवयुग्नम् विद्वितिषु व्यम्भउता ने स्वभीभनुभंभवन विष्युष् स्निक्रा दिनेश्न स्निर्डिस्डिदिनेदम्हित

जभाक्र भाववल्डि विविद्यभारिपपीवर भी भेराष्ट्रभथव्यभाभिमुठदेः कर्दिके न्नापतीया हरिदिष्यप्राज्ञभटद्रलग्रगप्रमके ड भामवाः भिरत्रेल्लाबीरभागरार्द्धस्त्रेन यम् दिवक्दधः भी छ विच जनभ्धविवय ५गरमकायीर राक्यम्ब इत्व अविह डे: प्रभवर विजयमाभद्र डी यह बावे इस्पर भभव्रभविस्र विण्यः भवित्र य ब्रह्मार धन्द्रिकः अवस्त्रकाण्यभक्त उद्वाद्रका दिमिनचित्रयं पचारिक ने डिल पुरे दि एक टम्झटम्बिप्यम्भ्रद्भवित्रप्रान्ड्रयुर्ग ०० ववभरीभाग पिश्रव्हें इकावाडद्यप्रभाग अनुमभिद्धावी एउल अम्भूभ न म्य्यम् उ भभाउक्भिष्यत्र इद्वार्भित्वभूषकृति। अ उद्यम् ०९ स्वभूवमारिमाभरप्रमुख्य भभग्रध्यमहर्देश्यम्गानिन्द्रयद्र

० मि

इत्भडिन्एउ६गिनीभड्ग्एइ टिक खबुट्स हर्डिकिंगभ इने इड्डिल्य सुरं न झी स्रिष्ट्रिष ल्डिभटमग्डबंश्रिद्धिद ०३ वबद्वाविश्र मल दिनादिक्ष इतिमापक्षिभग्रहेः नेपृष्ट भारत्य या मही भर्गे श्रेम भी विक्र व्याप थए डिटि दि उस भाश द्वा महर दल अपूर्व है: विस्तुन्थ दिल विद्विति वित्रभूभण गड्ड भागम् ज्ञम्ययक्षिडादिवाभडी वर् सुबल लप्र ॥ क्वीष्ट्रप्रदेश दिम भन्य पे जलने प्रल यहाउकभभभन्त बर्डी एक विकिति हिंदी। दिम्डीष्ट्रिडी इस्नेर्टभेडें: ०० मुखन्य नभा विज्ञनराष्ट्रस्द्रिटिसभवभिग्रहिभा क्राम्य एसक नया धुभगद् नवगभी भ थानेकं विश्वधंस्थ्यभ्यभ्वभगद्रम् पृष् भारतभागवड्डिः शक्ति ग्रिथ्य इन भवी रलकामन्भरा ग कर्यंक लभदल्य स

हेः १९ इह्न य दिन्य विभूगे स्वद विभू थेः न या युध्य बुरि उमिन प्रभुभे इप्रभा निल्य रमभन्नके किश्र वर्ग जिल्ला सम्बद्ध हार स भक्क कित्र वे दिक न्य विषय विषय विषय उनग्देः ०७ हिन्दामीय इनसीय सीमिष्ट्रन यिर्देशक अधीय बस्य वर्द्ध विभार ग्रही 3 अन्याद्यम् इपवम्बन्धा ए छावग्द्रभविष्ट्रकुलिव यह विक्रितिक स्थित है । इस मार्थिक में विक्रित हे दिक्षियरभव प्रविद्वा है से अने अने भव मयक ३० ऽधिकनेअपयेऽद्राभ्यस्थ ४४केनापंरीय असंदर्धयञ्चगद्रिं उत्तर्भे गलविस्थर हि: ५८ द्वा ३९ चवर धन ६० ल बग्हम किदी रेष्ट्रबग्धन भक्ति सुरुता ह ग्रीर्भ ग्रीवस्ट्पडीर्षेषु नभ्ग वयन अगमीन

03

6

नय भिष्टेःकद्दिक्णयुष्ठगग्रागोःमद्दल्य दिमंग्री सुम्नेम निम भड्ड यभि उभ भ्य प्रज्ञ भ ज्ञानं के अवक्रक्व : दिने इमेडिए ध वभद्रिम्य्रैल्यभभगिति ज्याहर्यः प्रइव्यभाविहः सिर्द्रमभूष्य एयद्द्रद् ह्ये: परिभिडिटिस्महण्य अते वृत्रा विल्हित अधुगादिरिभ्दनभ्रहे:कलविष:५म्भः १६ भेष्ठद्रभाउँ हवे दिक निक्र द्राय भे : महाप्र रेक्बीएलय पपारेगिभद्रयगद्भभ्रेत युष्टिमगुरिनुहत्त्यः भुडी १४ व्यक्तित्र मीक्ण्यभूरिक्परिक्तरद्वार द्वार न्या श्चित्र ए हिंच के बेड भिर्म अहं ने वया श्या शर्म विवर स्थार द्विरागुर्गि रच वेषे के इंट ये स्ट् वीत्रः संविकितिहाद्वित्रभूपरयान्येवित्रं इ देश भाःभन्नक्रीराष्ट्रीदिदमद्गवर्द्धकं भवेभ प्रिटिनंड कुँ पुरिस्पत्र स्टाइ अरे १२ डियम पृष्ठ

यः भेजः केविइप्रदिन्भा इन्ड्रियक्ष्रहान्द . प्रहेदिरि: १६ वष्ट्रह उद्यक्ष होराय १६वार विषमप्रपूरिज्ञ इषश्ची पंचन द्विमेड्र द्वायन्थ भयद्भवन्त्र स्कार्या वारत्यापय व्यवस्थिति ऽउ रेणरेषाड्यजोमन्द्र पंडीचीभेस्य इलभूका द्रायवरिमेतातुः ३० थ्याणवरेश्वेत्राधिष्ठ क्षेत्रइम्प्रिडिपद्मडाद्मरा धः सम्मन् ठली वहनरे:केड्गेइस्डिम्ड्राय ३ प्रभूभ कीला रूप मित्रियदेल बर्वेद्रिय विकेग्डनह भारत मुद्रेल पह हर । १३ छ है । क्रिन्सिय भारत मुहम् भूक्वविष् मयगार्वराभाषम् । ३० दगत्य इदिक व्यवित्र रेभध्य है। भड़्यहर भिन्ने हे हैं से ह निर्धुरमभुद्धयक्तिरस्र दिन्हे ३९ ०३भ र:अडिकय:अन्यानिकारिनकार्य स्वाप्तर्थ नष्ट्रमिकिरनिपन्धंड २० दब्रह्मानापि

ल्लेब्ह्ज विभग्रदिविल्डिवनी विश्वदिम् सु विविन्यदिर्युर्वे मा रायुर्धभान्यदिष् इविद्यपिक्ष्री सुदिग्हिपिविद्यण्य इपि नभनादिभ ६९ वर्करालकामिक्रिण्य डिभ प्रगः बेश्चानः पिष्ट हे प्रत्य हर्ने हिडः ६७ अवस्थितसभे इतस्था मन्त्रभग्रहः विद्याद्व रगिपीस्त्रीय विश्वः में हिंसभनी पन रास्त्र प्र धनप्रयम्मिनिष्यगद्भक भूकत्रगलिउन ध्वातवानग्दे ४० क्रान्सिकवरापः थ दः बद्धर्गहरः वद्वग्रह्मयः स्वाहर्मः चित्रभागं ४९ विद्यिनगडः सुरुगमिनवथा थं मगर्दिद्धार्द्धाः पर्भन्वरङ्गः।पयुडः क्लिटिडिह त्रवास्त्रत्वे ५३ गलभ्वीवेस दरि:ममुद्रश्चिपा०कः मास्र भन्न स्टिश् कर्मरिटिवियोः यह बर्भविरविष्युर्भि हिमकिनेवुड निज्ञणः क्राक्षः श्वाबिक्रणः

भड्डपटः इत्मेन इत्मेन इत्मेन इत्मेन विरुभित्रम्भरयरे हभयुद्र मनिवृत्र अध्युद्र गिर्ड दिक विज्ञाल, के रहेता विद्या लगगुर उने भभभुवेद विद्वरीयभं मने डिविड णः ने मुिम्निप्यरप्रेगिनिम्यक्षित विवयः इरिविड्यायुनीभद्रभागवर्देय नएयः ना मुक्डकिडिविधप्रियः भुउद गिभेः गर्नभन्भद्रयभभ्दिकेन्द्रभाज गर भ्युद्धित्रभक्ष इउठ सुन्द्रायिक अध्या नश्यनि इत्योपमानि धनके इद्या नश्चर रभाद्रमिस्दिकारियन्यस्प्रिकार भेड्यम् विजिष्टः विविध्य विवश्यप्रकरि रधकलभगाउत्भाभे उठर विजयत १० र रीस्ट्रिश्मुड:५० नयानुरे लोदे मनुष् नंबरंपालग्दःकरहिषानभ्द ४० एडिब्र विकार्त्रभभवात्रक्षातुः वि

मेड्ड्डमभटिविह्ममुविद्मिल स्रिक्श्यू नंमभंगपाण्य विवाद इः ५९ केम बंधे ह ववस्य निज्ञितवभाष्ठभा इडिज्ञितवभारित भगवडनिष्ठ ३३॥॥ उडिमुद्रद्रि उपलिम्हाय्करलया ॥॥ हर उवनकर लंगुहमी नयु गुमी न मुहह विदिन्य वम्नडशः उदाहिक्नभयः पतिविद्वेदि इब्रिध्यद्वभूगद्वभुद्रमीलग्रः ० वृद्विभुद् क्रिसेटिश्रियानकेंबर त्रसे क्रिकेड्र. दंिनीमननद्यविभिष्पुत्रन्यद्वीयः न्धूलिवनभट्ट-परिल्यन्करिनेडनक्डि एंक्ट्रइस्न्यं बुरापण वर्षे किंद्रहेट एत ३ विधभ हमगडिम् मिहनवि ५३ ग्देविन चियरिपष्टरः राज्येडेवरत्रकिभियरपुगन हंमग्डियुविडिपूट ३ वश्वास्थाः र्यन्याङ दीरुव्यक्राः भयुग्यन्त्रलः भूतं अदिवेदः

N P

भर्भरहिम्राक्ष्णभृष्ट्यभवद्वराण द प् मडनिटिए पर्याहिंगः पद्भागितिपृत्वम्याः नीवगडमुडटापनकराभजनएई वदाभ्यव इ न यदिहवडिभिडिडिनिज्ञ थक्डिड्र गर्नेडः भ भरमिगः ममञ्चः श्रुकापमानी किंद्रितिरह्यक विविवादिवामकाक्यभ । एक्किमिविन हारनविवययगिविजयर्डभविद्रउउपप नंदिभड्यार्ग्याद्याः भन्त्र्य्यम् अधि प्नभटे: तड्डिवर्ड फ्टंट्ड डे किस्सिवर इनहर्षे भुनुद्रहरः १ भूनन्यकुल्यर माप्रयुक्त स्थकाभेनी उद्याद एउ कहका वभूडिक इद्रथित डेम दस्य थड्म भ्राविति दिष्ट उ उ महहिमीविपक्षीरवैद्रस्तंरुवडविपगैर् उद्भव्या वर्षभवाषाः स्थानिथिवः भू मन्यक्रणारिक्रंयिक विश्वभागित्र वथचार्यभेडेचभ्राययचकरभीरिकिरटकेः

वभुनद्वादिभभउःदन्धेःभन्धिःपुर ८ वक्ष्यवरणंदि ०० एरिल्टिववरकव्यप हा सहिर्गीउब इकि है से युड: बार डिंब श्यद्भिपरीउ दिन प्रवयु उचि के अचार्ये गर रेडा ०० युम्बिद्विन्य क्रक्र मेभवस्थ हबूकियरिषुडा रविमुद्धिवम् मुहिदाण्य हर्यञ्च इति अद्विजितियादः ०९ भिष्नज्ञश्वर गानित्रधारणगिषवगाधिवविकित्वप्रमः य निभगणगड्काथीहर्नहवडिकडिकप्थभ वुष्यि ०३ मित्र भडक ह्य द्वा स्था भक डिस्काग्दः निर्विष्ठवभव् एः प्रमुख्य हिर्ग यलनेयःभउपरः ०६ स्विस्ट्रेमहम्भूष रिश्वं शिल्युं वाने वयु ज्ञकर पि के विद्रदेविक ग्रिझ्महवेषटेट्ट्रुयः श्रिवदः ॰ भडप्रिक्यहम्भ इन्भडकरपीर्व्यय विएक्न निरम्भ प्रमुख्य प्रमुख्य विष्यु

एयद्यहर्: भेद्याक्र्वनभद्रभं ५ इद्र चः मुहन् थर्राह्यः के वस वाष्ट्र थक्त निर्देश म्बनम्बल्ड्झन्तिस्य इर्भ भभे इरंद्रि बद्धारमञ्चवस्थ इक्तिम्बर्धः ग व रवडेक थिविय देउँ इड हर प्रमुप्त थर्या । र र अध्वमा सभ्य वि नित्तभः था मार्भ उदा नि हरडः यहः ०९ स्ट विजयभदिरिभडाँ विव इ-करभेडिरिइस्बर्गाद्यम् स्थूरहरु उन्यभूतर गुरूष म् इ. शिल्ड द डिट्ट र न मुक र्ग ७ इसिष्ट्याटइयएक राज्यसिष्ट अलर्थरभर्ष्ट्रपरर्गेड्यः मुह १ चल वद्यसङ्ग्यितिद्वग्दभेड्क्स गणभेडं ६क रंगनातिहेंगुणविकः १० दिश्वभगद्विगा विवयःभवउवेषारमण्ड्राहरः भचिपिभिद ध्वम्बिरानिष्ट्रयं ना छे स्वया उन्हा १९ क्रहाह्य बहु एक वाहद्ये गुल्यें व्य

हिः मध्दीयुर्हिभभइ ३१) ९३ मधि इसुपय द्यिनिगिटि उ: शहकयः कभ रः भिद्वेश्रू ह हुनिः भभवितय शृह्यः जाह्नाः मधित्वपर दिउननहर्यः कल्यभूनचानाः स्टेड हिल्डिप वेराजन समुद्रिय होतिः १८ स्प्रिभेडहराः जैउद्गडिडिअन्द्रयः बडब्भइरिडिभट्य रिभभयि हेर्ये वेदिस्तः र भू जीमहति वृद्ध उथियगिकृष्ट्रमहास्यदिनिः परन्यः पास विवर्ष उभद्यों मुड्ग अ भिद्राल्ड्भलः कुल्ह्म मिनः नुरुक्रिवेरि न्छिम् भूम भूभिविज्ञुत रशिभिद्रनगर्धियर् मेथा स्थान्त्रभभः अल्स् भहरम्बूह्भद्वतः मदः चर्मनीभभगम महद्भाः भिष्ठ दक्ष्या ३० भिद्राण्य विशः ममी गुरुम् विद्वारः भभगी ध्रुप्ति द्वारक क्रिक् वृत्भित्रमङ्ग्यः भड्यः भिड्मिश्रमनीकवः मिरवीम्इजल्हिभि भिड्उर्विम् राविम

CC-0. Courtesy Sanjay Raina, Jammu. Digitized by eGangotri

4.5

निकारिड	थे ड -भभः	अ रहित	एभ्रा न्):=
10-1-2	100	स्ति। क	0	THE RESERVE TO SERVE THE PERSON NAMED IN COLUMN TO SERVE THE PERSO
म्हे वेब	3733	वुडंड वम	वस भिद्	Par
व इस	मुने असम	म हस्म	ली अभ	
39	4 2	33 30	300 9	143
भ्रम्भूष्याः चित्रगर्य	द्वाभु रूपत	नवरण्डि स्वर्थक	450,00	37
		.विस्पगु र ू		
		habaa 13011		
AND THE RESERVE AND THE PARTY NAMED IN		द्विरुद्रभ	SUPPLY THE STATE OF THE STATE O	
रमकार्ड	534 CE 2	Shag	श्चिपड	द्रवि
E W	म भर	वं । इ	7 4	£41m
यद यथ	16363	4388	73	43971
किन	HE	ं हे वि	त्म	1877m
न्वर्	डिश्चमित	चन्डं इय	श्रिक्टिड	न्य ३.
विधभाद्	COLUMN TO SERVICE AND ADDRESS OF THE PARTY O		A STATE OF THE PARTY OF	ALL SECTION OF THE PROPERTY OF

SE

कार्वे प्रदेशकास्त्र इस्काटापटभी डिमापइध्रुक्त ३३ भिडा विर्ध्या प्रश्वित देश दिल व डिंहर गर्ग एप हर्ण कर न 43204 गरेवप्रवर्ण क्रम्यपिल्यन्थभरम्

The same of the sa	- AND	ed to the		BO	100	Allege,		PART	
म	3	3	35	5	8	3	9	36	
								9.0	
× 5	36	13	35	वि		24	8	20	
		1		200	A	210			
n	7				ाप	24	1	-3-1	
V V	100		000		276			3 19	

पिअवमस्य अध्यस्य स्वतः भाषान्यः **६इप्रियः भ्र गृलिहिम्यः श्वराहिशः प्रभपरिष्** यभी ३० वक्ष ८ द ५ य स्वनं । य मिन स्वर्भि ८ वर्ष भदावभग्रवीरं निल्पष्ठभवेरिन्नभूष्ट्र अ त्रवेत्र क्वतः व्यतः द्वतः १वतः भवतः व्यतः व्यतः बहु विद्रम् पिद् इ भद् अवक्ष्य वृति म्बेड्र मिर्ड्र अस्त्यिध्युक्त डेड्र मिर्प्यं उ षेव गरीदिधरेगणारंगदिधरा है हो पदह द्धिमुप्रभे ३६ भरूरभ्रव्यवतीनगरदिहरा रचिदिहर्विविद्युगिरिभक्ष्यं भ्रम्बिन्नव न्यम्बर्धायमग्भितिक्षाष्ट्रमार्थाः म्यान्य त्रम् ३० अद्भवश्मित्रमान्द्रमान्द्रकःकविह भूभीवप्रिमिश्यग्रहः उदापिए दिव्सग श्रुतिक्युरुप्रविविभ्युप्रवृत्ते मः भ भगदभ्रम्भिरविदेगविष्भक्षप्रदिम्भि निःभा ६० वस्त्रिलीवमनिष्ठान्यस्याणमे

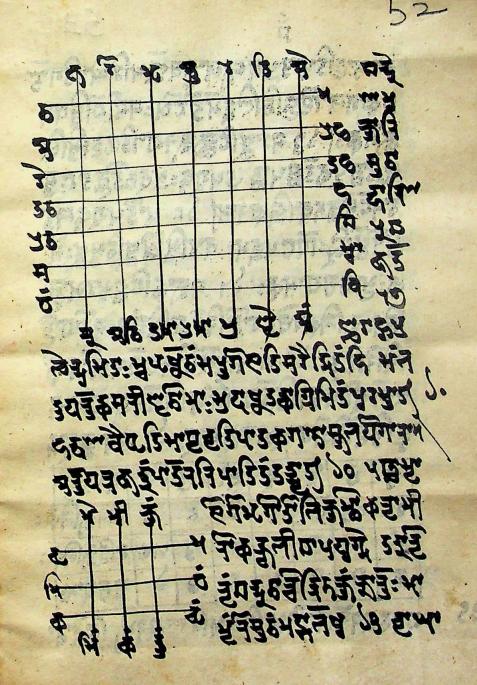
लाष्ट्रपष्ट्रविमिणः भभग निभए दिंगमकवि यमहिवपरीडमप्ट्रक्रणक प्रथमपद्भिकारि अथ म व व की म ह विष्ण ह म ल व म प 7 3 प प दिवंब प प 3 7 प पत्रभे हु भुद्रम्म द्रम्म द्रम्म द्रम् ह्कण्यक्रवंमक्थद्हगः दियंमक्ष्यदियं क्षिरभवनाः भिष्टेः अठेठ विद्या अठेपवया थेः ६३ द्वप्रकाम्बर्धिक निष्टिक निष्य निष्टिक क्रिमिक्स्वारिगिटिडंडस्गाफ्नेक्से कस न्रान्ध्र हर्रेड च पटिक भिन्द स्था दिशं प्रका उन्हिन्द्रक्र विद्या द्वा विद्या कि कर् नगरपरद्वरद्वराज्याज्ञिवराद कड्नीन भगास्याभड्ट विद्वासकर स्य विद्वारिय युक्तिहिंभरलं मुहभ भाष्ट्रभपकुरेग्यूपप इय्युर्भितः हे एयन्युर्यस्ट्रामिनेष्रः कागूदः एक विप्रामीमभे हेव नेवेट वन्तं भा

अनिहास निभगिषु यसूर्यन यं यदन सूथ्ये द दिधरात महिर्भिड्ड्वम्नभवप्रविद्रुपन् द्भाष्टिगिनी = इ भ्रिडिवनं म्यिदियविन्य उद्धिपित्वान् मुहकाः भूति ह्यहवेन्बिहि उद्यमुद्रिपिडिस्कनद्काः भुडी ६० विग्र उउए हिटार के : हार्य है। यह स्वार्थ के स्वार पिरान्य डिम्ब डिम्स भूपरा उद्गान स्ट लीव विश्वह भ भने दिरेव निनभ धम इह न भक्डः मेवकाधिरणह यगादिरवम्हरययंभ्हात्य र्जिभेड्डस्भवस्ड ४० अनद्भरण्डिधर िकरायवाः यहेषिविधन रिकप्तः निभार हिन्नावडक्रहालड:४० ए: ध्रावं विधनाहिक भूषा १९

1		1 =	2	-	OP	1		1	3	
	9	8	ব	3	DEC 1	3	7	12	7	
		38	3.	E.	30	30	3.	3.	33	
	No. of Concession, Name of Street, or other Designation, or other	48	State of the State of the State of	v	वि		18	म	3	
	3.	90	03	30	3.		OE	0.	OF	
	¥	34		7		the state of the s	-		COLUMN TWO IS NOT THE OWNER.	
	40	32	3.	0.	00	03			3.	1
		1	1				1			4

निविव्याभर्थिस्वभ्रभविष्ठि हिल्दव्यवि ण्डपीयुष्डयुन्नण निर्दिन्दक्रपेष्ठ्रयुग विक्रिय एट प्रमुख हिस्से विक्रक इस्मित्रभूद्र इतिम्केडिएः पर रहेरद्रभू बुद्भार सम्भाजल विद्या हिए इड डि विश्व अद इड्र विवेत्तेः मिकाधनभेडापिह त्यपवरेः स्टिवियः इः विशासार दिशी

च वहिंदेव प्रदुद्धि इडिविह गैंडि हिल्ड्ड विजेशभी विविद्य हिल्डिट शरा विश्व विश्व देहि पिर्योद्द इंदिभेडा हर्यः भुजिद न च्या विश्व विष्य विश्व विष्य व रियमाण्डिच र्डीयझ्यः भी महेल्स्डिह निन्लनमिवपाश्वरभक्तवभू मुहद्युह्मभुरुवरतिभवः दभुपनिभहित गर विविष्ट्रभन दिरी इस ह



उगम्हाउपाउधव्यन् ना हुवद्रथिपाडिगम् Pक्तनारिक्र हिल्द्र भड़े रेथः ननी कि हिथभ क्रीका १३ मायुटिक्किनगाडिवहिसिता चिडिन्न भूत्रम् अथादः अद्हर्द्व द्वाराः म रन्टमजनवाद्रिकराभा १६ पाउपग्दलड भन्द्रिः पिट पद्भः वारि अविदिश्वः भे कः मार्चयानकः १७ महाइटिश्नभाभाव विनः के निकावेः गई विरुक्ष भिष्टं मः मनिष्ट चितिरितः ३३ व्यथः रुगर्गभ्यम् ४५६ लग्रुपिषुनिष्ठिय भिदानिग्नेन्त्रिएस् र्मिहिहिरोय त्राप मिट्यः श नग मुस्य = 3 विन्नानिकः 3 १०।०४ महिन्ने निकः दश्हवन्गावटनश्चादिद्रपतिल्यन्थे किंवर्र

न्जनुगभिऽलव्गर्भिइंसु एस्डक् गभिद्रभे ऽऽ विभिन्नः । कार्यनिभग्रम् प्राप्त न इत्र इत् द्रयाभ्रद्भाः नष्टविमस्कवनेपपत्रेनवयवङ इरविद्वार १० उपग्रहा जनस्य दिक्षे निर्वर्षयम् । इर्घन मिग्रम् नेष्यप डिउंहें इल इविद्वे किल भवें में १० नम द्वे दक्षवड्डम्यापद्रवगद्रविरम्भिड्हः नगर विद्वाभित्रनाष्म्र हवित्रिकेडर म्यगभूष्टः १० व्यक्तिभदीभक्तिभागभरणभ्यद्भवाः क्रिंट गद्धरनिडभभभगग्रविष्णुभेकितिड हेरभू ह्यम्भिरभुभविष्ठी गएः इभाइनिष्डिणिश्त द्रमस्य अस्टः स्टक्राए स्यः १९ सम्न नय उयारिष्टिक्ष उद्यास्य नगङ्गाहि उक् रूपहः "निवद्गीर्ल्यायेश्वर क्षेत्र विकास प्रिक्तः १३ रभगुण्यमिनगास्ट्रभ्यद्विय इंस्क जिल्ला हुन है दर प्रमुख नगरनर

न्यारहम्भ्रव्यान्य निरम्यम् बर वह विविश्य कर यह नक वद वद वह £ 9 0. 00 04 02 03 3. भमवः १६ गर्के रहिदिवि व प्रविद्धाः दभक्तर इस्वम् रेपविदिध डिक्सविका रवी किविव्दर्गद्रीपरप्रस्वयाप्पालगृद वर्ष्ण अस्ति विषयान्त्र प्रत्यि । भा हर्वेदिक ने वडरम्भभु पष्टि जिल्हा ना हिस्ह भरिग्रम्ह् विभु इः परम् स्मान्य स्मिह्न वि यदन्य मेमनवभष्ड इं पष्टि दि इं हे व द्वार्थ व कः उठ्डनभन्दरमयोऽ नव इनभ्रभीनवभ दन्दन्यभदन्य्पष्ट्वयभुवक्षिराषञ्चय भन्रभा गा नवमनवन्यप्नयगद्भप्ष विविक्षे हरा द्वार नव इन्पिन इन्हर्न प्र भिष्वीबार्धा सुरुक्ट्रक्यः १८ नवपिष्ठेषुरु भिड्बेह्रिव वे वे वे पारि लयन कर प्रश्ने हु हम

भ्रम् भटनत्वपभिद्यस्टिमंड्रंबाड्र भद्रनग्द्रमञ्चिद्रमञ्चयः १७ विष्वय उष्पाप्रचम् छम दिवस युल्टि राभक्ष में ब म भटिक्भुधितमुहित्यिविण परितिभ्रम भिरिभव्रल्ड् छः इन द्वाइद्वावष्ट्रभुन्द्व ष्टुः तरपः इभरी वहः भर्भ करः प्रविक मिरिडिडिड ३० में हे हि वे से म भगन्गर्वितर्पत्य दिवहः कर्राय क्रक्टकविमद्वादिन्भएइविमिपद्मभद्धः १९ तिक्ति विक्रमान्यपगद्भिष्ठनेक अद्वेदन विमातः विवभाराद्रिगारियाभुक हथगक अधिमहिन्द्रि ६३ दि इनिहर्नि । वात्त्र वेष्ट्रियम्भरणविषात्त्र जहरू निषिन्य निरम्भीयः भवद्यपिष्य दर्षि हिर्द्धार इस्कार्कान्क्र व्यानवा

र्वनेडम्

57

ल्यग्रेस यहिरुवेद्धयभभ्रहिभडीपन्यङ्ग । । युव्यंग्निम्परिल्यंक्यंव्यंक्रः भिद्रि इ विभानयमानविग्रानिश्राम्समिहि ज्ञरा १० द्वम्तिः पिःवित्र ए श्रीयेद्युभ्न वर्षनान्त्रः नज्कविद्विद्विरिध्यर्डज्ञ य हम्हमद्यभ्च डा ह्या व्यद्गितिकेड इमेकपुर भूय रिगः कि डिभंडे द्विता के रागितः भप्रयाधारिड द्रानः भिड्छ धुरि स्वधुरं एदण्टरिहरूनभुः इइ ध्धिकड्रिकक्रि भगद्गीवभूनेक इतिहास नेव भिडि विनी वगद गडहुर्द्विधिप हमस्तिप्रशिष्टिन दिहरेहि भेद्रभेद्रिधन्नी जन्मन्यं मक्मिमिनिहिद्वप् निस्विपित ३० चरायन्ड विविभासहपद्धार ग्राभीवर्कान्यविष्ट्रभाषच्चित्र नश्वित इर्भिडिबिद्कर्के ल्डिश्चर्प् विष्यु । वंष्टिधः ७ केर्किल्लीवम्याविष्त्रय

3.

वर्षपिवनिड्भर भचेटिथान्यभाया द्वितर् लाहरहर्द्धरुप्रदेशस्यः ७० दिकानकर् भटना दि इस्थम इकंदा इधः अई दिशुल्भ पिनक्षेत्ररगुद्रः हरूटयुक्दूद्रभडडनवर्षर दिइसभुद्दिष्ण एदन्य वज्नम्यि ७९ इस्टिश्च प्रदेश स्वर्थेश रामभरा गुक्रहरभाचेकेकेविष्ण ७३ वर्ःभिड कः इत्राभुत्रभुत्रहिभुत्रभः भुति विरिभृतः मुनी PSइनेभ-द्रिहर्डिड्डिइ-इस्मेप्नेम्प्वरहि यद्रः १ तस्पद्भितित्रहरूरवस्त्रव पिम् इयिदश्रक्षाम भद्गीलपंडिस्परवृत्ते ननाहरीतिराष्ट्रेमहवरीदिसितिरथ जन गत्रचादिवियाद्क वदनद्युल्च वदः ज्युगा इविद्राभिर्पष्टभमुहद्भाः के विच्युन E 9 3 0 0 E 2 3 0 3 AER 3 7 3 7 3 7 3 7

भनी हता द न न क त न ता क गर द द न वि इस ग्लेभ वग्रहिकः भएन विवादिदिक्ति विवा प्रयाचित्र प्रतिभव्याप्र प्राचित्र विश्व विष्य विश्व विष्य व भा का संधादिर मिल्य प्रवास चित्र होता दि न्यविष्किषिरदिभक्त मेनादिमः मुरदिग्र नगारिक जिल्ला करा जिल्ला निर्मिक दिन के 10010111111111 द्रमुक्तयन्दर्भेः भभ उड्च वेटी भद्र निवभहण व्यापस्यवदीर्वप्रवास्थान्त्रभुप्तस्याद्रप्रभ नेभग् ७७ अद्दर्भिद्युठए सेन्स्रितिक राष्ट्रभगेष्वय भीगण्डास्त्रिक्टिं विविक्रणरम्बर्कर ००० नम्भर्यन्ति कालनेवनगुर्वित्र निक्रान्य निवास भुद्रअध्यम निक्यग्निभ दिखनं नेवर्भिड टिखर्गवनिः भाषानि हिरिद्यम्बकान् सम्भ ०००

थिन्द्रीक्ष्रिटिन्द्रिद्रिन्द्र्रेष्ट्रिक्ष्युड्रभभव गवनः भक्तभुलन्वाभनकन्द्रवय हुभक्त मुराएक द ०.७ मुभ्य उगु र दिवप भागाद्वनगर्हि। भुक्षन् नग्रेवर करान म्भुन्दर्भुह्भुह्भुद्भुद्भुद्भुद्भुव्य भारत ००० समार्थिक विमानगाराः भन् धवःभयमगगरुदाः गिदाः परदः जारभः ज उदः जङ्गितिवित्रव्यक्षात्रः ० म मह्य म स मिक भिक इ से हम की भी 43 47 47 47 43 43 3. 50 50 30 5. 43 राउ अस्ट्रेन डिडि शील घट्ट नहरीम येट्यउद्यंभ्दब्रह्माः ०.५ इन्तिभूषक्र चनवीमादमभ्रद्वाणः गभाषानाबुभमाई इत वस्टिभाग्न ००० वक्त्या देवन दृष्ट्र है हमेरियाई व्यास्थित है है है है के प्रमान टयास्वर्षरक्षित्रम्यात्रम्याः कर्णे सन्त्रम



इभयन्वकाम्डिझ्यंभ्रह्यः। त्रिक्तः मुम्कनन्ययम् इर्डम्बर्ड्स मयभ ०.९ उ इ इ इ द ५ ५ ५ द वि हि इ से वि व गंभवायदे हमाभया भया दिला व्याप ष गारुष्वं प्रभविश्विभद्गभिवन उर्वे वपार्थ उषा उ इंग्मिचेवन्याध्रियार्पभ्वताभ्या ० ७ मयुःक्रापेग्टराप्यप्रधास्याप्रकार्ण्या **स्लांटम्यग्यग्भदिरं**र्भिः नङ्ग्रा राज्यम्प्रद्राप्यक्र विद्यादिक्ष रिव्हित्र विद्या गभवाचयभज्ञानिक'याचारदेथान्थि ००। क्राम्यविभन्न हे यूद्रण हे युद्रण यु हे है विराध ५उंग्केउ५उठभम् दिउठउष उन्नश्नु हिन् यहगडहंभवानिभाभ हरण प्रश्न व वहक भग द्वरंत्रयभूतियन्पि ००० व्यव्यप्तिमः भभाइपाइ दिन्विय प्राथित विवास गने बहः प्रामानिधमसभारित्त वहाराउ

यवेषुभा ००९ इतिहिप्स इम् इत्भामनभू विन वष्ट्रयमिमब्रितिज्ञास्त्रवर्गः ००३ ल्ब्रुंभित ल्ब्रुंभवा विक्रंभितं शहर दिमें हड्य दे उग्दिविस्दुरः ००६ मुघडिंगग्भः गरिट चिल्द्यन् अधिन अधगाव । वील्डिहिय गडः सहग्रहस्यभग ००४ रयगभीनक हक उलर्षितित्रक दिग्गर्नभव्देगास्य भड्डिन ००० रेड्स्ड्रिकिभूषरिक न्यारि भू इ हु यु उविषेष्ठ गिर्विकः व न हु हुल विप्रज्ञितिक मह्म हरिका दिली इग्रें ०० नगरभवमविधया इपन्वकरपी हने विश्व एडी इयुर्यः कापीर्वेनववयप्वमन्प्रिक्त विहविडिट धरात्रि ००५ भिर्ने देव कुछ प्रध मश्रवभुष्टवृष्ट्यः भ्रिष्ट्रक्ष्मभ्रवः ह्यक्षिगः का-इविश्विक्ष्र्यः सीलक्ष्यः भन्न निष्यं ०००

एडिमद्र इति रूपे लिवद्र प्रकृत लथ्डि भूमे न भारविदि इविविन्द्रागि दिन्सि भिस्द्र व उस्मि वरभारद्विष्ठ विज्ञभनेज्ञलममीद्रक्रिभनी मन्भद्भड्डनिस्डिन्यमुड्गद ० निक्रहन्त ग्रथक् अन्यमन्य निर्देश विममी इक्ति किल क्युह्मधिद्वन्यथभे अन्यवस्थित विवासिक्डमन्य ९ मप्रस्विडन्स्रिक्म विहमभुग्ड्न वट्ट्युड्रास्त्रभुष्ट्र प्रविदल्डि प्रवर्भा अ एड गणन्भा ॥ गरु हिसकः प्रह त्उड्डायल्याचिड्डिइन विडेड्डन विडेड हिंग्ड न्यमदम्पर्थेविवैशिकानिम्भनिभूष ः मा स्वः कि प्रभाव विद्या है। मी विद्या प्र य - भूग पाथे शिष्ट्रयगडे नुहग्दे कर् दिके ज्यवन्दिमं भिनेः । पायो सन्देष ठ्या १ १ में प्राप्त है । इस स्टूर्स स्टूर्स नभेड्र प्रिड्न भूगेः भवं बढ्केयुगडे: बढ्युदेः

ग्रह्मविल्डिलिसिडः विभारमध्य ग्लूनक् रडीयायगेः भिभुदः विचेत्रम् इतिरीक्षित्धर्थस्य १॥॥ उतिभद्रवि नमल् मरहिष्टक्षक्रकाल्यव्ये ॥ ॥ ॥ याद्याप्विदि इस्य ने युर् ले द उ है दिवस्य वह्णअन्य ५म्डेम्ट्यनिभिष्ठभनक्रे चि द्वेड्डिन्ड ने हेन्य के तर्म है हैने हैंने यदिनयगडदिविधयदिवाउउपवद दिशि ाण्यगदंग्रिटवेटयविर्यान्वहवृद्धभूष्पः । रिप्रस्त्र न ग्रहभवा विपार्थ र उराव प्रथम् क्रह्नेत्र दिश्कर्नेष नुरुवन के भूनेय दिभभु किद्यग्रदंडर्एयः ३ यदिए ब्रिडिनेचभूण नितानुहन्भुयित् प्रित्न्य यिष् सुदि कटाउ: बुठग्दरभूयं कात्रं वभिषे = विवन्तर्युउनयेभितिर्युग्णब्धिकिम्द नभंस्त्रन्यग्रहभ्रमि दिश्कितिवर्दिग्डर

E

65

ग्रहाप्याप्मप्रदिकविष्ठद्रः प्रमुक्रुभुद्रभीग दिकेल्जिए इरिश्ने इरिल्निवाय देविपिया जित भिक्रमीय उनीयं भुभ एउ यदिग्द- भुड्र की र्यादिन्प्रइस्नियम् प्रमाधितीम् इतः भक्षभगेयः विषयः नयः नयः भामानयः भि ०३द्रथभिद्धवार्थम् गुविद्धम् रामिभ एउभए खिककिमीन निभेष्ठ उरी या ए ३: भयुपद्विदिरामन्या इ नथक्षीनमहास्मीन क्ष्मीनिभिड्डाडिबिः अतिभाभनिका प्रया टिइ९४३ स्निव अभि अप्रविभवे ग्वय इ ५म भ ७ नप्रचित्रमभ हैं निवृत्रि रिक्र रेखान कलपटहनुम्यभटिमेन्टेड्स्यः न्पामिट मिण रहे जिल वृत्यस्य इषानभाष्ट्रक के विवृत्त र अडर र न भएड के डीका है। भएड के न न भ हेर्प्रचार्डक भेडाहेर् प्रभए उभभयण्ये

मुखनिकी गर्ने द्विदिभु उप्रमिषिः भु इचक निम्ह ०० अचा विधिद्दे क्राक् जे इप्र श्रुगुरु १ द्वारी विमाल सुरु एद्वा भने न्डिनिधिद्वभन्भिभ्डिम् ०९ अचान्भाग्येय यह अस यह द म ह स वि ह न 30 30 30 30 S OF OF OF भणितचं इलिडिकिइदियभेडान्स्री र पः भभभुं गभने ए**ये पुः श्वारिमण्यि वर्गमे** भ उन् ०७ उभ्डम्डग्रहास्य दविन्महः विरुध वपहिम्डम्पिह्यः इदस्य इद्यानिक्ष शुरुरः विरुभक्तिवर्म् भूनभ्भ ०६ भारत्यार पक्रगदिभकरम्झीवपक्रियिदश्यिदश्यि परीउगद्यकरी जिल्लेव पदा यु र स्थ पन्डः महकरंग् अप्डडः कड्गीययी दः सिडि भन् विलयकर रेडिंड यलीवग ०५ ४ इनुक दिवभिष्ठका उग्णि ह प्रवालि विषमि

वयज्ञनः धः अदयभदग्रवज्ञानः जन्य अ नाध्यमविविधंदमधिदिष्टः ०० प्रचानीह भणेयक कर ९ वडी मेर् विद्भुष मुत्र मित्र मद्भक्षितिक्र स्विदे दियः यथीभूटन तेलयीयभग अयी यड इतः भी द्वेः भुड़ ह यः जलाजनगण्डभीमयइङ्गः ०१ धनुः र मामामामामामामा 3100 710-13 0310±1±13 pser. वज्ञतगणः जनजनः त्यूपंष्टाग्वभलनपडी मभेडा एषा जैयाश रुद्धीय करणि इधि इध्य विष्यु के व्याप्त्र विश्विति हिंदि विश्व विष्य विश्व विष्य विश्व विष्युप्रमुद्धविष्युर्भिकित्वाक्षीलपृष्ट दिएद ०५ तद्ग हक्ष्मित्व इभेक्षममी विद्रग वर्भन्य उन्मध्य कथ्गि वर्भन्य इन्हर्

भिक्राक्वनरामः भ्रष्ट्र ०० एउट्डकर										
3	9	13	च	19	Ą	Ġ	R	DE	A B	
					3					
			Barrier Laborator		7			A CONTRACTOR	V.	
1	7 7000	The second secon	STATE OF STREET	A Committee of the Comm	अष	COLUMN TO SERVICE AND ADDRESS.	ACCRECATE OF THE			
					वंडिष्ट				I	
	दिक्यः कभायमः ध्रमुतीया दिक्षयानम्									
	प्राद्धनं इर्वर् ९ भाष्ट्रीमिही दिर ज्ञाभञ्च									
कुईनेः भंनिः भुडिभूडिया पुरुक्तिमिकः पिभि										
	ब्राधिरजिन हः भाष्ट्रभद्रनेविङ्गाहः १० ता									
0	हिन्द्र पित्तर्भाष्ट्र जे ही दिन्द्र है। इंग् भूस									
					र्मिक					
	भाष्र	1 33	A.IS	न्हः	वर्	में हों	15	र्थम	E	
The same	भाइ	日本に	門	49.	द्वि	नेरं	भृष्	5:19	Z	
*****	रेज्यः	प्र भ	इन	ब्र ्ट	ではあります。	हवं	नुम	284	3	
Y	नडम	हभा	64ई	रहरु	व्या	957	भेग्न	03	Y	
nd-						1014	101		r	

3)

डिष्टस्यायिडिगर्गरियद्युभाग्रयद्वि। यिः प्रवभद्र इः।पी भट्ट विद्विष्ठियां मेर डि:अ:इ। ३ वड विलिमा एए ये निर्ते अ उत्हेडिय डिभ्याचम् थिउ इग भदा हत्। मध्राद्विषिद्धर्भहत्र १० मम् ४ हम् हर्डिश् गृष्ट पक्षि दे डिष्टा दिन्दा भर मायु इन्दा प्रगम्बक्तभा हिसुर इस्माडम्भ भा के ब्रिडाउगर्विमध्ड तः तमग्रहपूरत्र पिर्वाभविष्ट्र अनुबुद्धलपारहापिर्ध्यन एडर्भारा १९ अपद्यमिक्रमध्यद्विष गाययः प्रायम् विश्वप्रम्थम् स्भावितः मसमिक भिके डे र है भ के त विवर्ष भ व स स स रहत भ स 3 0 3 कः प्राद्ध इद्राध्य दिभ्य व ए द्वा क्षेत्र भूप द एगरुः मधानिगरमयवियादवरुयुद्ध

7-1

हामड्रविहः ३० गुर्मीभ्यूपण्डि अस्टर्यक् महाम्याक क्रियम् ० टेमिनिज्ञालयात ३: जार द्विनम् ४० नहीं भगद्रिश्रीष्रभग्रस्य इंडड्रक्ल ह्र स्वक्र स इन्कटफानिभीन्धु अक्ष प्रकलिया उत्रान मनः ३३ मन्तकामारुभ्डनधर् याभ्रम्द्रिमभाराभिभथाय अउदिमात्र ३० भिड्डाईटिक्ट्रद्रक्ष्युद्धम् विभावकः भषारि भाउनयानियद्यं वरुयद्द उर महेला 9 8 0 प्रशिष्ट

नवङ्गर्धानेववङ्गयेक् विञ्चक्तु उ: मन् रभ्भ उद बाक्ष्मम्सावर्भतामः एं या र वह भन्नापं वलनीयां ३० अचा दिश रिक् भपुभपुग्नलक्षरः वयह्यय्यिक रिभनविलद्धवर्ग का समेदिसरभ्य 38

अवश्किथिपरिष्युविनद्रगञ्ज इत्विद्यय हिष्टिश्व वविषयि ३३ भेर विनद्धि विनहिष्टि ज्यार्युहभच्दिमभुद्धः वजीग्दःकरुग उभवनियदियसगमिषिइम २० सिर् ग्निस्दिव इस्ड्रिं भूकी ब्लंडिय दिस्किल्य न प्रयूभमंगर्यदिवनिविद्यायन्डवित् रुपहर्वेत र उद्देशियस्टिमियइयारिमिन् भरवक्षेष्रद्रनः हिठ्ठास्यापवनस्य 'इदिडर्भंडिदिन्ययरा ६० वस्थनीयिभगडेह गःभडगरवर्णराडिवर्षविद्विधार्भ वेच्न नियदि इस क्रारियक्ष विवेद एवं प्रीर्ल इं य व स र इ थ ह । देक ह पर विशे हिन्य ह त 3 g भर्मनंहनवर्षेपिगरु उविडिस्र अंग्रिकि य = ३ ज४ ज४ मके स्ट्रिमच वर्ग इति हैं : उर्भ्याउर्भरवर्गिनः थर्पर म्म लिन यल्यहपत्री कहाँ देश हव उच्च एउ क ए ये प्रकार

युवभीनलयउउद्गंडरंसक वितरभवस्थित्य इएएड म्य एक्षामिडवडिस्मिन् अतिहन ि रिश्वेडन्सिड नग्नाभुदिएप्यद्वर धनडिदिरपउद्धिर्धभ के नग्रह्मपि वनिड्यम्यर प्रज्ञां विष्ठे जेकर दी च्रस उमित्र उदं मधूम भूनिक या ने भविभि हि भूटिय मा दिग्दाहन्यग्डभूमभुयः इत्र दरीलयक्ति न्निय दानिविनमंगिभ्डिठयंग कुर इखा दिका डिलिभन्य म्ड गमिः अलग्रभभयेषु हर्भय उद्ययः अविष्युगिषियविभिभेष्यः न्यप गःभगभन्एयद्वेषद्वभयग्नेभविलयद्वे निहिः प्रिष्ट्यः मण अदः भिडेद्रभिभेडवाद्धः मिनःममीश्रव्यद्भदिवस् प्रमुद्धिकि विदिश्वारंभी दिसाभ छीमः इभमः भूदिधाः न कर्दिग्ठीमगद्भुरवनीमः तन्तरिनिडिल व्याक्षीमनार्थ ४० भ्राष्ट्रिय उरिलम्भिन्ह्य

भडेना ६ विष्ठ भड: क इन्जूब ड भ न का भूभ गड़िश विस्वाभयम गर्मद्भर्यद्भूलियविष्ः भड लगगीका डिचिउ र उरदिविन यभदर ज्ञानित अस् मुन्य राजा नेरड पश्चिम व्या उद्वा नेमार 0 00 0. 5 7 3 8 1 9 8 9 4 कः की डिंडः १३ भगगर निविश्विह टिडगङ्ग प्रविद्यम् भइप्रवम्ह्य भिद्यम्बर्लंड ष' ४३ ५४, यदम वित्र कि विश्व भिन्न एयं जी रवसिक्रेटेव वश्राष्ट्रिक्शिक्रार्थ उः इतिहर्वनिकः भर उथक्निविन् पर्वेगेषा निः पश्चिमं विन विन्दुरं निमीषः भष्टन्य रे विराहिल्य भा नया इस इभा हर्कमण्ड क्षात्रेत्र भर्द्धभागम् सुयुह्ह् धाराग्रभ्द्यः भी करेक् ... सजात : नेह: इर्ने तत्ते से तन द्विष्यम्: नेष्ठत्याः द्वित्यः विष्यम्

7-6

र्रिग्रहरुपञ्च ४२ घगाइहित्राणिपरीन्थ वाक्रियेशिक्टवन्त्र क्रिंग्लभिपम्जनेर्ज हव्डिभुद्धग्रद्धार्थभग्नस्थार्थ भड्लाविद्य भहममीडवामनिभद्गनिभगदिभिडःभडे दि वक्वितग्राधीद्त्यगः भएयहरीयुक्ति 'डियिर अप: ५७ इडिस्पिड्सिभ्डवेरिल न्यद्वगुरः मुघगडकम्इल्यह्य नहिंदे हम्मः ५ जन्मिव उद्गर्श वैभिन्तः प्रा उभरीयुल्यइत्मद्भा ७० लगगडः भृष्ट्व भुग्रित्रकत्रकुःमधन्त्रगः इन्यद्वःभभ हर्गकर्भविष्ठतिविष्ठ १९ वेद्य गमनि उन्मिल्डम् इन्हरू उत्तीन रे विद्रगडःसमिर्भर्देष्ट्रडिक्सरम्षः त्यग्रह गुभ्रम्:मलहण्यभचे ४६ उद्याविद्दि भिगिरिगः ममीरम्यिभवभ्रणपडिद्दिवि विभवदिनीयमभ्यति ऽभ उनिममिन्धिति

रम्भहें विष्णुभें उित्रहरम्भे दिन्हिं भ हबुक्भउम्नीग्रद्धग्रहग्रह्भवात्नयुङः ११ भभएयगविष्ठण्याभे एनग्डिमिकिरल दि वक्षांडवतहब्लिद्दलगडः प्रताप्तापाः श डिद्रमुग्रिउनग्भद्रदिभकिर्लिशविगय्गु उ भिउममिली त'नि पिक दगडि र विश्व इभिश्व र भदल ५९ हत्युरिसमिनिइन अवस्थान निमितः भहिरिभेडम् २० दिभिकालभेड वनीक इनिरियमभिष्यम् दिक दुगः व्यग दर्गित्रभित्रयिकहवितिहन्मस्भः १ युक्ताप्रविद्यस्थार्थे दिवकभदिराना हरद्भाः कविविद्कस्मार्गीध्विस्यवभग युन्रकाः त्वयिगः १० विभुन्यकद्रिष् कम्मिल्पिविविक्रियुष्ठन्हिग्भनेः हय्न्यभ उवग्रिष्ट्यः पविविक्डिष्ठ विश्वराभवगः १९

azzu